नईदुनिया

भोपाल, 30 अगस्त 2026

खास-खबरें

16 साल की उम्र में एआई कंपनी के मालिक बने अजू, पिता को देते हैं 2 लाख रुपये मासिक वेतन

नईदुनिया ब्यूरो, तिरुवनंतपुरमः केरल के एक 16 वर्षीय छात्र अजू ने कम उम्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। कक्षा 12वीं में पढ़ाई करने के साथ ही वह अपनी एआई कंपनी का संचालन कर रहे हैं। अजू की सफलता की सबसे खास बात यह है कि उन्होंने अपने पिता को भी अपनी कंपनी से जोड़ा है और उन्हें करीब 2 लाख रुपये मासिक वेतन देते हैं।

अजू की रुचि कम उम्र से ही तकनीक और कंप्यूटर के क्षेत्र में रही। पढ़ाई के साथ उन्होंने नई तकनीकों को समझने और एआई से जुड़ी जानकारी हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी रुचि और सीखने की लगन ने उन्हें कम उम्र में अपना उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित किया। आज अजू अपनी पढ़ाई और कंपनी दोनों की जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। एआई तकनीक के तेजी से बढ़ते उपयोग के बीच उन्होंने इस क्षेत्र में अवसरों को पहचाना और अपने तकनीकी कौशल का उपयोग कर कारोबार की शुरुआत की। उनकी कंपनी एआई आधारित तकनीकी समाधानों के क्षेत्र में काम कर रही है।

हर विषय में हुआ फेल, आज खड़ी कर दी 800 करोड़ की कंपनी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सफलता की राह हमेशा आसान नहीं होती। कई बार असफलताएं ही इंसान को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। ऐसा ही उदाहरण एक ऐसे व्यक्ति का है, जिसके पिता ट्रक ड्राइवर थे और जिसने स्कूल के दिनों में हर विषय में असफलता का सामना किया, लेकिन बाद में अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर 800 करोड़ रुपये की कंपनी खड़ी कर दी। आर्थिक रूप से साधारण परिवार से आने वाले इस व्यक्ति ने शुरुआती जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया। पिता के ट्रक ड्राइवर होने के कारण परिवार की स्थिति सामान्य थी। पढ़ाई के दौरान कमजोर प्रदर्शन के चलते उसे हर विषय में फेल होना पड़ा। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यही छात्र आगे चलकर बड़ा कारोबारी बनेगा।

असफलता के बाद भी उसने हार नहीं मानी और अपनी कमियों को पहचानकर आगे बढ़ने का फैसला किया। उसने नई चीजें सीखने, मेहनत करने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की शुरुआत की। धीरे-धीरे उसने अपने विचारों और मेहनत के दम पर कारोबार की दुनिया में कदम रखा।

समय के साथ उसकी कंपनी ने तेजी से विकास किया और आज वह करीब 800 करोड़ रुपये के कारोबार वाली कंपनी बन चुकी है। उसकी कहानी उन लोगों के लिए प्रेरणा है, जो शुरुआती असफलताओं के कारण अपने सपनों को छोड़ देते हैं। यह सफलता बताती है कि जीवन में शुरुआती नाकामी अंतिम परिणाम तय नहीं करती। सही दिशा, मेहनत और लगातार प्रयास से कठिन परिस्थितियों को भी बदला जा सकता है। साधारण परिवार से निकलकर बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले इस व्यक्ति की कहानी संघर्ष और आत्मविश्वास की मिसाल बन गई है।

जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक 12 सितंबर को नई दिल्ली में होगी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक 12 सितंबर को होगी। ये बैठक करीब एक साल बाद होने जा रही है। नई दिल्ली में आयोजित होने जा रही इस बैठक में आईटीसी से जुड़े मामलों में राहत और नियमों में बदलाव पर विचार संभव है। परिषद सचिवालय की ओर से शनिवार को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक नई दिल्ली में 11 बजे से आयोजित होनी है। इससे एक दिन पहले 11 सितंबर को अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में ऐसे कारोबारियों के लिए जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल करने पर चर्चा होने की संभावना है, जो हर महीने 2.5 लाख रुपये से अधिक का 'कर क्रेडिट' आगे देते हैं। फिलहाल देश में करीब 1.68 करोड़ कारोबार जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं।

जीएसटी परिषद की बैठक एक साल से अधिक समय के बाद होने जा रही है। इससे पहले जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक तीन-चार सितंबर, 2025 को हुई थी। बैठक में केंद्र और राज्यों ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों और कर स्लैब में कई बड़े बदलाव का फैसला किया था। 22 सितंबर, 2025 से जीएसटी का स्ट्रक्चर दो-स्तरीय (5 फीसदी और 18 फीसदी) हो गया है, और अल्ट्रा-लक्ज़री व 'सिन गुड्स' (नुकसानदेह चीजों) के लिए सबसे ज़्यादा 40 फीसदी की दर देश में लागू है। इसने 1 जुलाई, 2017 से लागू 5फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी वाले चार स्लैब की जगह ले ली है।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी 3.89 रुपये प्रति किलो महंगी, साल में पांचवीं बार बढ़े दाम

नई कीमतों के बाद दिल्ली में सीएनजी 86.98 रुपये प्रति किलो, बढ़ती एलएनजी लागत और अंतरराष्ट्रीय कीमतें बनी वजह

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत में 3.89 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के अनुसार, नई दरें शनिवार सुबह 6 बजे से लागू होंगी। इसके बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमत 83.09 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 86.98 रुपये प्रति किलो हो जाएगी। इस साल सीएनजी के दाम में यह पांचवीं बढ़ोतरी है। आईजीएल के मुताबिक, सीएनजी की कीमत बढ़ाने की मुख्य वजह तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की बढ़ती आयात लागत, अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतों में तेजी और सीएनजी की बढ़ती मांग है। इससे पहले मई में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में तेजी आई थी, जिसके चलते आईजीएल ने 10 दिनों के भीतर चार चरणों में सीएनजी के दाम कुल 6 रुपये प्रति किलो बढ़ाए थे। नई कीमतों के बाद नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी 95.59 रुपये प्रति किलो हो गई है। वहीं मेरठ में इसकी कीमत 95.47 रुपये और गुरुग्राम में 92.01 रुपये प्रति किलो पहुंच गई है। पेट्रोल और डीजल की तरह सीएनजी की कीमतें भी अलग-अलग राज्यों में अलग होती हैं।

इसका एक प्रमुख कारण राज्यों में लागू अलग-अलग वैट दरें हैं।

आईजीएल ने कहा है कि कीमत बढ़ने के बावजूद सीएनजी उपभोक्ताओं के लिए अन्य ईंधनों की तुलना में किफायती विकल्प बनी हुई है। कंपनी के अनुसार, पश्चिम एशिया में संकट बढ़ने से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते एलएनजी की आपूर्ति और माल ढुलाई प्रभावित हुई है। इसके कारण वैश्विक एलएनजी कीमतों में तेजी आई है। संकट से पहले की तुलना में अब वैश्विक एलएनजी कीमतें करीब दोगुनी हो चुकी हैं। कंपनी ने बताया कि भारत में सीएनजी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इनपुट गैस का बड़ा हिस्सा आयातित स्पॉट एलएनजी से पूरा किया जा रहा है। महंगी एलएनजी और घरेलू मांग बढ़ने से गैस की लागत में वृद्धि हुई, जिसका असर सीएनजी कीमतों पर पड़ा है।

सीएनजी के दाम बढ़ने से दिल्ली-एनसीआर में चलने वाले ऑटो, टैक्सी, बस और माल ढुलाई वाहनों के संचालन खर्च पर असर पड़ सकता है। वाहन संचालकों की लागत बढ़ने से भविष्य में यात्री किराए और माल ढुलाई दरों में भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी कीमतों में तेजी का असर एशिया के जेकेएम बेंचमार्क में भी दिखाई दिया है। इस साल फरवरी में इसकी कीमत करीब 11 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू थी, जो अगस्त में बढ़कर 23.4 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू हो गई। यूरोप के टीटीएफ गैस बेंचमार्क में भी इसी अवधि में कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

ज्यादा नमक, शक्कर और फैट वाले पैकेट फूड पर लगेगा लाल चेतावनी निशान

एफएसएसएआई ने सुप्रीम कोर्ट में रखा प्रस्ताव फ्रंट ऑफ पैक लेबलिंग से उपभोक्ताओं को मिलेगी जानकारी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पैकेट में मिलने वाले ऐसे खाद्य पदार्थ जिनमें नमक, शक्कर या सैचुरेटेड फैट की मात्रा तय सीमा से अधिक होगी, अब उन पर लाल रंग का चेतावनी निशान लगाया जा सकता है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत पैकेट के सामने की ओर लाल रंग का षटकोण (हेक्सागोन) बनाया जाएगा, जिससे ग्राहक आसानी से समझ सकेंगे कि उत्पाद में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तत्व अधिक मात्रा में मौजूद हैं।

एफएसएसएआई के प्रस्ताव का उद्देश्य उपभोक्ताओं को जागरूक करना और उन्हें खाद्य पदार्थों का बेहतर चुनाव करने में मदद करना है। यह व्यवस्था फ्रंट ऑफ पैक लेबलिंग के तहत लागू की जाएगी। इसमें खाद्य पदार्थों में मौजूद अधिक मात्रा में शक्कर, नमक और फैट की जानकारी पैकेट के सामने स्पष्ट रूप से दिखाई जाएगी।

एफएसएसएआई ने इसे दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव दिया है। पहले चरण में उन उत्पादों पर चेतावनी लेबल लगाया जाएगा, जिनमें फैट, शक्कर या नमक में से दो या उससे

अधिक तत्व तय सीमा से ज्यादा होंगे। इसमें अधिक मीठे पेय पदार्थ भी शामिल होंगे। दूसरे चरण में उन उत्पादों को भी इस नियम के दायरे में लाया जाएगा, जिनमें इनमें से कोई एक तत्व भी निर्धारित सीमा से अधिक होगा।

यह प्रस्ताव एक जनहित याचिका के बाद सामने आया है। 3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नाम के एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर पैकेट वाले खाद्य पदार्थों पर अनिवार्य चेतावनी लेबल लगाने की मांग की थी। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई से नियमों में देरी को लेकर सवाल किए थे।

एफएसएसएआई ने बताया कि हाई फैट, हाई शुगर और हाई साल्ट वाले खाद्य पदार्थों की पहचान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) की 2024 की आहार संबंधी गाइडलाइंस के आधार पर की जाएगी।

प्रस्ताव में कुछ खाद्य पदार्थों को छूट देने की बात भी कही गई है। एकल सामग्री वाले उत्पाद और प्राकृतिक रूप से फैट, शक्कर या नमक से भरपूर पदार्थ जैसे शुद्ध घी, खाद्य तेल, सामान्य नमक, चीनी, गुड़ और शहद को फ्रंट ऑफ पैक चेतावनी से बाहर रखने का प्रस्ताव है।

फ्रंट ऑफ पैक लेबलिंग का उद्देश्य ग्राहकों को खरीदारी के समय ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वास्थ्य प्रभाव की जानकारी देना है। इससे लोग अधिक शक्कर, नमक और फैट वाले उत्पादों से बचकर बेहतर विकल्प चुन सकेंगे। बढ़ती जीवनशैली संबंधी बीमारियों को देखते हुए इस तरह की व्यवस्था को जरूरी माना जा रहा है।

घर खरीदना बेहतर या एसआईपी में निवेश, 20 साल की योजना से समझें फर्क

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः 40 हजार रुपये मासिक वेतन पाने वाले व्यक्ति के सामने अक्सर बड़ा सवाल होता है कि पहले अपना घर खरीदा जाए या किराए के मकान में रहकर बचत को एसआईपी के माध्यम से निवेश किया जाए। दोनों विकल्पों के अपने फायदे और वित्तीय परिणाम हैं। एक उदाहरण के जरिए 20 वर्षों बाद इन दोनों फैसलों के बीच अंतर को समझा जा सकता है। मोहित ने अपनी मासिक आय को ध्यान में रखते हुए फ्लैट खरीदने का फैसला किया। घर खरीदने के लिए उसे डाउन पेमेंट की व्यवस्था करनी पड़ी और शेष राशि के लिए होम लोन लेना पड़ा। इसके बाद उसकी आय का एक बड़ा हिस्सा हर महीने ईएमआई चुकाने में खर्च होने लगा। 20 वर्षों बाद लोन समाप्त होने पर उसके पास अपना घर होगा, जिसकी कीमत समय के साथ बढ़ सकती है। दूसरी ओर, रोहित ने घर खरीदने के बजाय किराए के मकान में रहने का फैसला किया और अपनी बचत को नियमित रूप से एसआईपी के जरिए निवेश करना शुरू किया। लंबे समय तक लगातार निवेश और निवेश पर मिलने वाले संभावित रिटर्न के कारण उसके पास एक बड़ा निवेश कोष तैयार हो सकता है।

सैलरी, खर्च और भविष्य की जरूरतों के आधार पर तय होता है सही वित्तीय फैसला

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लैट खरीदने और एसआईपी में निवेश करने के बीच तुलना केवल संपत्ति की कीमत या निवेश रिटर्न से नहीं की जा सकती। घर खरीदने से व्यक्ति को स्थायी आवास की सुरक्षा और संपत्ति का लाभ मिलता है, जबकि एसआईपी में निवेश से तरलता और लंबे समय में धन वृद्धि की संभावना रहती है। किसी व्यक्ति के लिए कौन-सा विकल्प बेहतर है, यह उसकी आय, खर्च, परिवार की जरूरतों, नौकरी की स्थिरता और भविष्य की योजनाओं पर निर्भर करता है। यदि किसी शहर में लंबे समय तक रहने की योजना है और ईएमआई का बोझ संभालना संभव है तो घर खरीदना उचित हो सकता है। वहीं, जिन लोगों को नौकरी या स्थान बदलने की संभावना रहती है और जो नियमित निवेश का अनुशासन बनाए रख सकते हैं, उनके लिए किराए पर रहकर एसआईपी करना बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। दोनों ही फैसले सही हो सकते हैं, लेकिन सही चुनाव व्यक्तिगत परिस्थितियों और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार करना जरूरी है।

सितंबर में 14 दिन बंद रहेंगे बैंक, छुट्टियों की सूची जारी

चार रविवार और दो शनिवार के अलावा अलग-अलग राज्यों में आठ दिन नहीं होगा बैंकिंग कामकाज

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सितंबर 2026 में अलग-अलग राज्यों और शहरों में कुल 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इनमें चार रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा आठ दिन विभिन्न स्थानों पर बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में बैंक से जुड़े जरूरी काम करने वाले ग्राहकों को छुट्टियों की जानकारी पहले से रखना जरूरी होगा। बैंकिंग अवकाश की शुरुआत दूसरे शनिवार से होगी। 12 सितंबर को महीने का दूसरा शनिवार होने के कारण देशभर के सभी बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 26 सितंबर को चौथा शनिवार होने के चलते भी बैंकों में अवकाश रहेगा। सितंबर में रविवार की छुट्टियां 6, 13, 20 और 27 तारीख को रहेंगी। इन दिनों भी देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा अलग-अलग राज्यों और शहरों में स्थानीय त्योहारों और अवसरों के कारण आठ दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। बैंकों की छुट्टियों के दौरान ग्राहक ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। पैसे का लेनदेन, बिल भुगतान और अन्य डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी। बैंक अवकाश का असर ऑनलाइन सेवाओं पर नहीं पड़ेगा। सितंबर 2026 में शेयर बाजार भी नौ दिन बंद रहेगा। इसमें आठ दिन शनिवार और रविवार के कारण कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेयर बाजार में कारोबार बंद रहेगा। बैंक और शेयर बाजार की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए ग्राहकों और निवेशकों को अपने जरूरी वित्तीय कार्य समय से पूरे करने की सलाह दी गई है, ताकि किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

फ्लेक्स फ्यूल इंजन और एसयूवी लुक के साथ नए अवतार में आई रेनो क्विड

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः रेनो ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट कार क्विड का नया संस्करण पेश किया है। कंपनी ने इस नए मॉडल को ब्राजील के बाजार में लॉन्च किया है। नई रेनो क्विड को अपडेटेड डिजाइन, एसयूवी जैसा लुक और फ्लेक्स फ्यूल इंजन के साथ पेश किया गया है। हालांकि, इस मॉडल के भारत में लॉन्च को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। नई रेनो क्विड में कंपनी ने इसके बाहरी डिजाइन में कई बदलाव किए हैं। कार को पहले से ज्यादा आधुनिक और आकर्षक बनाने की कोशिश की गई है। इसमें एसयूवी से प्रेरित डिजाइन एलिमेंट्स दिए गए हैं, जिससे इसका लुक अधिक दमदार दिखाई देता है।

2027 मॉडल ब्राजील में लॉन्च, डिजाइन और तकनीक में किए गए कई बदलाव

फ्लेक्स फ्यूल इंजन इस नए मॉडल की सबसे बड़ी खासियत है। यह तकनीक वाहन को पेट्रोल के साथ एथेनॉल मिश्रित ईंधन पर भी चलने में सक्षम बनाती है। फ्लेक्स फ्यूल तकनीक का उद्देश्य वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना और पेट्रोल पर निर्भरता कम करना है। नई क्विड में केबिन को भी अपडेट किया गया है। इसमें आधुनिक सुविधाएं और बेहतर तकनीकी फीचर्स शामिल किए गए हैं। कार को ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अधिक आरामदायक और उपयोगी बनाने की कोशिश की गई है।

रेनो क्विड लंबे समय से कॉम्पैक्ट कार बाजार में अपनी पहचान बनाए हुए है। कम कीमत, बेहतर माइलेज और छोटे आकार के कारण यह कार ग्राहकों के बीच लोकप्रिय रही है। नए मॉडल के जरिए कंपनी ने इसे बदलते बाजार और ग्राहकों की नई पसंद के अनुरूप तैयार किया है। ब्राजील में लॉन्च किए गए इस नए मॉडल में फ्लेक्स फ्यूल तकनीक को शामिल किया गया है, जबकि भारत में भी एथेनॉल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में भविष्य में इस तरह की तकनीक वाली कारों की मांग बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

ऑल्टो जैसी पावर वाली कावासाकी वर्सिस 650 भारत में लॉन्च

अपडेटेड एडवेंचर टूरिंग बाइक में दमदार 649 सीसी इंजन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः जापानी दोपहिया वाहन निर्माता कावासाकी ने भारत में अपनी लोकप्रिय एडवेंचर टूरिंग मोटरसाइकिल वर्सिस 650 का अपडेटेड संस्करण लॉन्च कर दिया है। यह बाइक लंबी दूरी की यात्रा और रोजमर्रा की राइडिंग को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। दमदार इंजन क्षमता के कारण इसकी पावर की तुलना छोटी कारों के इंजन से भी की जा रही है। कावासाकी वर्सिस 650 में 649 सीसी का पैरेलल-ट्विन, लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह इंजन बेहतर प्रदर्शन और लंबी दूरी की राइडिंग के लिए पर्याप्त शक्ति प्रदान करता है। बाइक में छह स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है।

वर्सिस 650 को एडवेंचर टूरिंग डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। इसमें ऊंचा विंडस्क्रीन, आरामदायक सीटिंग पोजीशन और लंबी दूरी की यात्रा के अनुकूल डिजाइन दिया गया है। बाइक का सीधा राइडिंग पोस्चर चालक को लंबे सफर के दौरान अधिक आराम प्रदान करने में मदद करता है। नई बाइक में आधुनिक तकनीकी फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा राइडर की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक फीचर्स दिए गए हैं।

बाइक के फ्रंट में टेलिस्कोपिक फोर्क और पीछे एडजस्टेबल सस्पेंशन दिया गया है, जिससे विभिन्न प्रकार की सड़कों पर बेहतर राइडिंग अनुभव मिलने की उम्मीद है। ब्रेकिंग के लिए डिस्क ब्रेक के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम की सुविधा भी दी गई है। कावासाकी वर्सिस 650 मुख्य रूप से उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश की गई है, जो लंबी दूरी की यात्रा के साथ दमदार प्रदर्शन वाली प्रीमियम मोटरसाइकिल चाहते हैं। भारतीय बाजार में एडवेंचर और टूरिंग बाइकों की बढ़ती मांग के बीच कंपनी की यह नई पेशकश इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा को और मजबूत कर सकती है।

स्पेशल खबर याचिका में पंप नोजल और बिल पर एथेनॉल प्रतिशत लिखने की मांग, वाहनों पर ई-20 ईंधन के असर की जांच का सुझाव

एथेनॉल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 31 अगस्त को सुनवाई

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 31 अगस्त को सुनवाई करेगा। याचिका में देश के सभी पेट्रोल पंपों के नोजल और पेट्रोल खरीदने पर मिलने वाली रसीद में एथेनॉल मिश्रण की सटीक मात्रा यानी प्रतिशत लिखने की मांग की गई है।

इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ करेगी। यह जनहित याचिका नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई है कि पेट्रोल

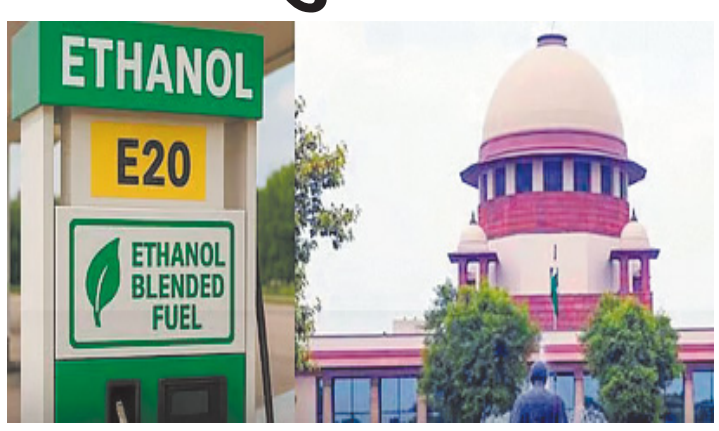

पंपों पर मिलने वाले ईंधन में एथेनॉल ब्लेंडिंग की जानकारी ग्राहकों को स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए।

याचिकाकर्ता ने मांग की है कि हर पेट्रोल पंप की डिस्पेंसिंग नोजल पर एथेनॉल मिश्रण का प्रतिशत लिखा होना चाहिए। इसके अलावा पेट्रोल खरीदने के बाद ग्राहक को मिलने वाली रसीद पर भी यह जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए, ताकि उपभोक्ता को अपने वाहन में इस्तेमाल हो रहे ईंधन की पूरी जानकारी मिल सके। याचिका में सरकार से एक आधिकारिक और सार्वजनिक ऑनलाइन डेटाबेस तैयार करने का भी अनुरोध किया गया है। इसमें वाहन निर्माता, वाहन मॉडल, इंजन के प्रकार और निर्माण वर्ष के आधार पर यह जानकारी उपलब्ध हो कि कौन-सा वाहन ई-20 या अन्य एथेनॉल मिश्रित ईंधन के लिए उपयुक्त है। याचिकाकर्ता ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के प्रभावों की जांच के लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग भी की है। इस समिति में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय मानक ब्यूरो और स्वतंत्र ऑटोमोबाइल इंजीनियरों के प्रतिनिधियों को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि विशेषज्ञ समिति को वाहनों पर ई-20 ईंधन के वास्तविक प्रभाव का अध्ययन कर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करनी चाहिए। इसमें वाहन के माइलेज, इंजन की उम्र, रखरखाव खर्च, वारंटी और बीमा दावों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन शामिल होना चाहिए।

महिंद्रा ने इलेक्ट्रिक एसयूवी पर बढ़ाया बड़ा ऑफर, बैटरी के बिना कीमत 12.65 लाख से शुरू

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी के लिए बैटरी एज ए सर्विस यानी बीएएएस कार्यक्रम का विस्तार किया है। कंपनी ने अब अपनी एक्सईवी-एस और एक्सईवी-9ई इलेक्ट्रिक एसयूवी को भी इस सुविधा के साथ उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इस मॉडल में ग्राहक वाहन और बैटरी के खर्च को अलग-अलग तरीके से फाइनेंस कर सकते हैं, जिससे कार की शुरुआती खरीद कीमत कम हो जाती है। कंपनी के अनुसार, पहले बीई 6 स्पोर्टेक को बीएएएस कार्यक्रम के साथ पेश किया गया था। अब यह सुविधा एक्सईवी-एस और एक्सईवी-9ई के साथ भी उपलब्ध होगी। बीएएएस मॉडल के तहत महिंद्रा बीई 6 स्पोर्टेक की शुरुआती कीमत 11.45 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। वहीं 7-सीटर एक्सईवी-एस की शुरुआती कीमत 12.65 लाख रुपये और एक्सईवी-9ई की शुरुआती कीमत 13.90 लाख रुपये एक्स-शोरूम रखी गई है। बीएएएस मॉडल में बैटरी की कीमत वाहन की मूल कीमत से अलग रखी जाती है।